सांध्य दैनिक 4PM

लोग अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं पर अधिकारों को याद रखते हैं।
-इंदिरा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 02 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 3 फरवरी, 2024

दूसरा टेस्ट : यशस्वी का कमाल, अंग्रेज... 7 | पूरे विपक्ष को फिर लगाना होगा... 3 | यूपी में अपने सभी सांसदों का... 2

सफलता की एक और सीढ़ी चढ़ा 4पीएम

» दिसंबर महीने में साढ़े 10 करोड़ से भी अधिक व्यूज के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार

» जल्द ही पूरे होने वाले हैं 28 लाख सब्सक्राइबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने बेबाक अंदाज से जनता के मुद्दों को धारदार तरीके से गूंगी-बहरी सरकारों तक पहुंचाने की मुहिम में जुटा लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम आए दिन सफलता की नई ऊंचाईयों को छू रहा है और नए-नए कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है। बेशक ये सब लोगों के प्यार और सरकार से सवाल करने की हिम्मत का ही नतीजा है। अब एक बार फिर 4पीएम ने अपनी सफलता की श्रृंखला में एक उपलब्धि और हासिल कर ली है।

4पीएम पर बढ़ रहा लोगों का विश्वास

बढ़ती लोकप्रियता और लगातार मिल रहे लोगों के प्यार का ही नतीजा है कि 4पीएम का परिवार निरंतर बढ़ता जा रहा है और 4पीएम की नई-नई शाखाएं लोगों के बीच आती जा रही हैं। अन्य राज्यों में इस चैनल की विश्वसनीयता परवान चढ़ती जा रही है। शुरूआत में सिर्फ 4पीएम के नाम से एक यूट्यूब चैनल था। इसके बाद 4पीएम यूपी ने दस्तक दी। जिस पर यूपी की खबरों को प्रमुखता से दिखाया जाने लगा। 4पीएम नेशनल और 4पीएम यूपी को मिले प्यार व समर्थन के बाद देखते-देखते कब 4पीएम के क्षेत्रीय चैनलों में बढ़ोत्तरी हो गई और ये संख्या बढ़कर 1 से आठ पर पहुंच गई पता भी नहीं चला। इसके अलावा एंटरटेनमेंट की खबरों के लिए हम 4पीएम बॉलीवुड भी लेकर आए हैं।

साढ़े दस करोड़ से अधिक व्यूज के साथ 4पीएम ने दूसरा स्थान हासिल किया है। द डाटा बिंग्स के दिसंबर के आंकड़ों के मुताबिक, 4पीएम 106.8 मिलियन यानी कि साढ़े 10 करोड़ से भी अधिक व्यूज के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। यानी नवंबर से दिंसबर के बीच 4पीएम के व्यूज में 2 मिलियन से भी ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है। नवंबर के महीने में 104.7 मिलियन व्यूज के साथ 4पीएम दूसरे स्थान पर था। जबकि इस बार 20 लाख व्यूज से भी ज्यादा की बढ़ोत्तरी के साथ आपका 4पीएम 106.8 मिलियन के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। सच दिखाने की बदौलत ही 4पीएम को लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है और 4पीएम आए दिन नई-नई बुलंदियों को छू रहा है। दिन पर दिन 4पीएम के व्यूज बढ़ते जा रहे हैं। ज्ञात हो कि 4पीएम ने पिछले कुछ वक्त से नंबर वन पर चल रहे डीबी लाइव को पीछे छोड़ दिया था।

जारी हैं सत्ता से तीखे सवाल

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की जिद की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता वंदन में लगी हुई है, ऐसे में 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4पीएम देश भर में अव्वल स्थान बनाए हुए है।

तेजी से बढ़ रहे सब्सक्राइबर

4पीएम की बढ़ती लोकप्रियता ये दर्शाती है कि सत्ता से सवाल करना लोगों को आज भी पसंद है। और हर कोई सच को ही देखना चाहता है। बस कोई सच दिखाने वाला हो। 4पीएम लगातार सच को दिखा रहा है और बेबाकी से सत्ता से सवाल कर रहा है। इसी का नतीजा है कि 4पीएम के सब्सक्राइबर की संख्या भी दिनो-दिन बढ़ती जा रही है। वर्तमान समय में 4पीएम के सब्सक्राइबरों की संख्या 27 लाख से भी ऊपर हो चुकी है, जो जल्द ही 28 लाख पहुंचने वाले हैं। इस समय 4पीएम 2.76 मिलियन सब्सक्राइबर के साथ लगातार सत्ता से सवाल कर रहा है और लोगों को सच दिखा रहा है।

राहुल गांधी का भाजपा पर बड़ा हमला

मोदी की शह पर उनके मित्र कर रहे आदिवासियों का अपमान

» पीएम के खास पत्रकार द्वारा आदिवासी समाज के अपमान पर भड़के कांग्रेस सांसद

» बोले- देश में साजिशन आदिवासियों के अधिकारों को किया जा रहा कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए बनाए कानून, भाजपा ने नहीं किए लागू

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया साइट पर अपने आधिकारिक अकाउंट से लिखते हुए भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि आज भारत में साजिश के तहत आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। मोदी की शह पर उनका 'मीडिया मित्र' खुलेआम आदिवासियों का अपमान करता है और 'कॉर्पोरेट मित्र' उनके संसाधनों को लूटता है। कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए वन अधिकार जैसे कानून बनाए, आदिवासी बिल लेकर आये, सरना धर्म कोड लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाए। पर भाजपा आदिवासियों की हितों की रक्षा करने वाला कोई भी कानून लागू नहीं होने देती, क्योंकि उनका लक्ष्य आदिवासियों की जमीनें और अन्य संसाधन छीन कर अपने कॉर्पोरेट मित्रों को देना है। कांग्रेस सांसद ने आगे लिखा कि झारखंड की महान धरती पर भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों से लड़ कर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा की। आज के अंग्रेज फ्रमोडानीफ्र चाहते हैं कि आदिवासियों का अपने ही जल, जंगल और जमीन पर कोई हक न हो। कांग्रेस प्रतिबद्ध है कि आदिवासी समाज समृद्ध बने और उनकी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहे।

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से देश की सियासत में झारखंड लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। झारखंड में मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी और फिर नए सीएम की ताजपोशी से लेकर आदिवासी समाज के अपमान के मामले तक झारखंड लगातार सियासत के केंद्र में बना हुआ है। तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर इस समय झारखंड में ही बने हुए हैं। इस सियासी गहमागहमी के बीच एक बड़े मीडिया चैनल के एक बड़े पत्रकार के द्वारा आदिवासी समुदाय का अपमान करने का मामला भी तूल पकड़ता जा रहा है।

इस मामले को लेकर अब सियासत भी शुरू हो गई है और विपक्ष इस पत्रकार के जरिए भाजपा पर हमलावर हो रहा है। समाजवादी पार्टी से लेकर कांग्रेस तक विपक्षी दल भाजपा पर आदिवासियों के अपमान का आरोप लगा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बीजेपी को आदिवासी समुदाय का अपमान करने पर घेरा है।

अखिलेश ने भी साधा निशाना

इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मामले पर भाजपा को घेरते हुए लिखा कि एक तथाकथित बड़े चैनल के तथाकथित एंकर द्वारा एक अति सम्मानित लोकप्रिय आदिवासी नेता के लिए अपमानजनक बात कहे जाने पर उस चैनल का प्रबंधन यदि उस एंकर पर एफ़आइआर होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं करता है तो ये समझना चाहिए कि 'आदिवासियों' के इस अपमान में उनकी नीति और सहमति भी शामिल है।

मनीष सिसोदिया व संजय सिंह को नहीं मिली राहत

» राउज एवेन्यू कोर्ट ने 17 फरवरी तक बढ़ाई दोनों की न्यायिक हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आप नेता मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को एक बार फिर कोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में आज राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें कोर्ट ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 17 फरवरी तक बढ़ा दी है।

जाहिर है कि दिल्ली शराब नीति मामले में आप सांसद संजय सिंह फिलहाल जेल में हैं। संजय सिंह को उत्पाद नीति घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को मौद्रिक लाभ हुआ।

जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्पाद शुल्क नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को आप सांसद संजय सिंह द्वारा दायर जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को याचिका का विरोध करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था।

यूपी में अपने सभी सांसदों का टिकट काटेगी भाजपा : अखिलेश

» जनता में भाजपा व उसके सांसदों के प्रति गुस्सा

» बोले- अब पीडीए की एकता जागी, छोड़ के यूपी बीजेपी भागी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश का सियासी पारा काफी हो चुका है। आए दिन सियासी गलियारों में हलचल बढ़ती जा रही है। इस बीच अब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने देश की सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को लेकर एक बड़ा दावा किया है। सपा मुखिया ने दावा किया है कि बीजेपी यूपी में अपने सभी वर्तमान सांसदों का टिकट काटने जा रही है।

इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के सांसदों ने कभी अपने क्षेत्र की ओर मुड़ कर नहीं देखा, उन्होंने परीक्षा दी नहीं तो रिपोर्ट कार्ड कहां से बनेगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल साइट पर लिखा- ब्रेकिंग न्यूज, सूत्रों के हवाले से पता चला है कि भाजपा उप्र में अपने सभी वर्तमान सांसदों का टिकट काटने जा रही है सिवाय एक को छोड़कर, लेकिन सुनने में आया है वो भी अपनी सीट बदल रहे हैं या फिर किसी सुदूर प्रदेश में एक अतिरिक्त सुरक्षित सीट ढूंढ रहे हैं। यहां जिस एक सीट को छोड़कर वाली बात अखिलेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी की सीट को लेकर कर रहे हैं।

यूपी में भाजपा को नहीं मिल रहे प्रत्याशी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में आगे लिखा कि इसीलिए भाजपा उत्तर प्रदेश में, लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि उनके वर्तमान सांसदों ने अपनी जेबें भरने के अलावा कोई भी काम नहीं किया है। इसीलिए भाजपा सांसदों के पास न तो बताने के लिए कोई काम है और न ही जनता व पार्टी को दिखाने के लिए कोई रिपोर्ट कार्ड है। इसी वजह से जनता में भाजपा और भाजपाई सांसदों के खिलाफ बहुत गुस्सा है। इन विपरीत हालातों को देखते हुए भाजपा में नए प्रत्याशियों की खोज जारी है, लेकिन कोई भी हारने के लिए नहीं लड़ना चाहता है। इसी कारण भाजपा की तरफ से एक भी प्रत्याशी का नाम सामने नहीं आ पा रहा है। इस बार यूपी से भाजपा का सफाया होना तय है क्योंकि भाजपा के पास प्रत्याशी ही नहीं है।

सपा प्रमुख का दावा- पीएम मोदी भी बदल सकते हैं सीट

जनता जुमलेबाजों को अब नहीं चुनेगी

सपा मुखिया आगे लिखते हैं कि भाजपा के टिकट काटने से पहले जनता ने ही उनका नाम काट दिया है। इस बार उनके संसदीय क्षेत्र में भाजपाइयों को दाखिला नहीं मिलेगा। उत्तर प्रदेश की जनता इस बार जुमलेबाजों को नहीं, सच्चा और अच्छा काम करनेवालों को चुनेगी। अब पीडीए की एकता जागी, छोड़ के यूपी बीजेपी भागी!

असम में राहुल के बॉडी डबल की पहचान की गई : हिमंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ो दावा किया कि कांग्रेस की भारत जोड़ न्याय यात्रा राज्य से गुजरने के दौरान उसके नेता राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल उनके बॉडी डबल (डुप्लीकेट) की पहचान कर ली गई है और बाद में इससे संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। शर्मा ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मीडिया में खबरें आने और विवाद खड़ा होने के बाद बॉडी डबल ने बीच में ही यात्रा छोड़ दी थी। मुख्यमंत्री ने दावा किया, हमने उस बॉडी डबल की पहचान कर ली है, जिसका इस्तेमाल राहुल गांधी ने पदयात्रा के दौरान किया था। हमने अब पुष्टि की है कि अधिकांश रोड शो के दौरान राहुल गांधी भीड़ का अभिवादन नहीं कर रहे थे, बल्कि यह काम उनका बॉडी डबल कर रहा था।

शर्मा ने कहा कि शनिवार से शुरू हो रही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो-दिवसीय असम यात्रा के बाद वह इस मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन बुलाएंगे और उक्त बॉडी डबल की पहचान और अन्य विवरण सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने कहा, उनके (मीडिया घरानों) द्वारा उजागर करने और तस्वीर अपलोड करने के बाद वह व्यक्ति यात्रा के अंतिम चरण में हिस्सा लिए बिना चुपचाप असम के गुवाहाटी हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हो गया। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 18 जनवरी से 25 जनवरी तक असम से गुजरी। इस दौरान राहुल गांधी का कई बार शर्मा से टकराव देखा गया।

घोटालेबाजों को बचा रही शिंदे सरकार : उद्धव ठाकरे

» प्रशासनिक घोटालों को लेकर बीएमसी आयुक्त चहल पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पूछा कि सरकार बृहन्मुंबई महानगरपालिका में कथित घोटालों को लेकर नगर निकाय आयुक्त इकबाल सिंह चहल के खिलाफ कार्वाई क्यों नहीं कर रही है। ठाकरे ने पड़ोसी जिले रायगढ़ में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कोरोना वायरस महामारी के दौरान बीएमसी द्वारा की गई खरीद में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर उनकी पार्टी के नेताओं को गलत तरीके से निशाना बनाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इनमें से कई मामलों में चहल ने फाइल पर हस्ताक्षर किए थे। ठाकरे ने कहा, आयुक्त को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा? क्योंकि वह अब आपके साथ हैं। मुंबई में जो भी घोटाले हो रहे हैं वे प्रशासनिक घोटाले हैं। महामारी के दौरान बॉडी बैग की खरीद में कथित घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में शिवसेना नेता एवं शहर की पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर से पूछताछ की थी।

वीबीए के एमवीए में आने से मजबूत हुई लड़ाई: राउत

» महा विकास अघाड़ी में शामिल हुए प्रकाश आंबेडकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बाबा साहब डॉ भीम राव आंबेडकर के पोते एवं वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश आंबेडकर आगामी लोकसभा चुनावों के लिए विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के साथ सीट बंटवारा वार्ता में शुक्रवार को शामिल हुए।

एमवीए के घटक दल शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने यहां बैठक में दलित नेता का स्वागत किए जाने की एक तस्वीर साझा की। फिलहाल, 10 से 12 सीट पर चर्चा होनी बाकी है।

महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीट है और इस मामले में यह देश में उत्तर प्रदेश (80) के बाद दूसरे स्थान पर है। राउत ने एक्स पर पोस्ट किया, वीबीए के एमवीए में शामिल होने के साथ, भारत के संविधान की रक्षा करने की लड़ाई और मजबूत हो गई है। हम भीड़तंत्र के खिलाफ लड़ रहे हैं। राकांपा के जयंत पाटिल और जितेन्द्र आव्हाड, कांग्रेस नेता नाना पटोले, अशोक चव्हाण, बालासाहेब थोराट और वर्षा गायकवाड़ तथा शिवसेना (यूबीटी) के राउत सीट बंटवारा वार्ता समिति के हिस्सा हैं। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में भाजपा ने महाराष्ट्र में 23 सीट पर जीत दर्ज की थी, वहीं (अविभाजित) शिवसेना ने 18 सीट जीती थी। (अविभाजित) राकांपा को चार सीट, जबकि कांग्रेस, एआईएमआईएम और निर्दलीय उम्मीदवार को एक-एक सीट पर जीत मिली थी।

बैठक के मसौदे को बाद में अंतिम रूप दिया जाएगा: प्रकाश आंबेडकर

प्रकाश आंबेडकर ने बैठक के बाद संवाददाताओ से कहा कि यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया कि एमवीए का अस्तित्वविहीन हो चुके इंडिया जैसा हाल न हो। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए 20 दलो के साथ कांग्रेस-नीत इंडिया गठबंधन की शुरुआत हुई थी, लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के अकेले चुनाव लड़ने की योजना से यह मुश्किल स्थिति का सामना कर रही है। वीबीए प्रमुख ने बैठक के सकारात्मक रहने का उल्लेख करते हुए कहा, मैं पहले निकल गया, क्योंकि मुझे एक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होना है। मुझे एमवीए के समक्ष कुछ मुद्दे रखने थे और तीनो घटक दल आपस में उनपर चर्चा करेंगे तथा जरूरत पड़ने पर इसमें कुछ और (मुद्दे) जोड़ेंगे। उन्होने कहा कि बैठक के मसौदा को बाद में अंतिम रूप दिया जाएगा।

हर किसी को मुझसे इस्तीफा मांगने का अधिकार : भुजबल

» मराठा आरक्षण मामले में पार्टी द्वारा दरकिनार किए जाने के दावों को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने उन दावों को खारिज कर दिया कि मराठा आरक्षण आंदोलन से निपटने के राज्य सरकार के तरीके की आलोचना के लिए उन्हें अजित पवार-नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) गुट में दरकिनार कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री भुजबल ने कहा कि पार्टी में किसी ने भी उनका विरोध नहीं किया है और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए उनकी पैरवी का समर्थन किया है।

शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर निकालने की मांग के बारे में पूछे जाने पर, अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रमुख नेता भुजबल ने कहा कि हर किसी को उनके इस्तीफे की मांग करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से ओबीसी के मुद्दे उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे मंत्रिमंडल में रखना है या नहीं यह मुख्यमंत्री (एकनाथ शिंदे) का विशेषाधिकार है। मुझे नहीं लगता कि वह मुझे बाहर निकालेंगे, क्योंकि मैं शिवसेना में उनके गुरु आनंद दिघे का नेता हुआ करता था। भुजबल (76) अविभाजित शिवसेना में प्रमुख नेता थे। बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। भुजबल ने आलोचना की भाषा संयत रखने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, मैं संजय गायकवाड़ को बताना चाहता हूं कि मैं शिवसेना संस्थान में एक वरिष्ठ प्रोफेसर था, जहां आपने पढ़ाई की थी। गायकवाड़ ने कहा था कि मराठा को कुनबी (ओबीसी) प्रमाण पत्र प्रदान करने के राज्य सरकार के फैसले का विरोध करने के लिए भुजबल को मंत्रिमंडल से बाहर कर देना चाहिए।

पूरे विपक्ष को फिर लगाना होगा जोर

इंडिया गठबंधन में फिर से सब होगा ठीक

» आपस की लड़ाई दूर करें विपक्षी दल

» भाजपा से लड़ने के लिए ठोंकेंगे ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जब इंडिया गठबंधन बना था तो ऐसा लगा था कि 2024 में बीजेपी सत्ता से दूर हो जाएगी। पर तीन राज्यों में भाजपा के जीत के बाद से गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इंडिया गठबंधन में सबसे ज्यादा विवाद सीटों के बंटवारे को लेकर हो रहा है। उधर भाजपा भी तिकड़म में लगी हुई है किसी भी तरह से इंडिया गठबंधन एकजुट न होने पाए। इसी के तहत उसने बिहार में जदयू को राजद-कांग्रेस से अलग होने पर सरकार का समर्थन देकर जहां वहां अपनी लोक सभा सीटों की संख्या बरकरार रखने की योजना भी मजबूत कर ली। वहीं अखिलेश ने भी पहले कांग्रेस को 11 सीटे देने का ऐलान किया फिर अपने 16 प्रत्याशियों की घोषणा करके विपक्ष गठबंधन इंडिया को असहज कर दिया। उधर आप व टीएमसी भी अपना अलग राग अलाप रही है। ऐसे में 2024 की लोस चुनाव की लड़ाई क्या मोड़ लेगी आगे-आगे देखना दिलचस्प होगा। हालांकि कांग्रेस ने अभी हिम्मत नहीं हारी है वह सबको एकजुट करने में एकबार फिर लग गई है।

वहीं आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है। यह पेंच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है।

यूपी कांग्रेस की मंशा गठबंधन धर्म निभाए सहयोगी

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढ़ी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव-सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की भूल कर चुकी है। भगवान राम से भारत की जनता का सीधा संबंध है, जिसे कोई भी राजनीतिक दल नकारने का साहस नहीं कर सकता। विपक्षी राजनीतिक दलों को भविष्य की राजनीति की ओर कदम बढ़ाना है तो उसे भारत की आस्था को सम्मान देना ही होगा, नहीं तो जो स्थिति पहले हुई, वैसी ही स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

कांग्रेस के लिए सहयोगी पैदा कर रहे मुश्किलें

इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, मगर कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली। वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे हैं। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते।

सीट बंटवारे पर आपसी सहमति की उम्मीद : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि गठबंधन में, देने और लेने की प्रवृत्ति होती है। हम राज्य में संयुक्त सीट-बंटवारे के फॉर्मूले पर आम सहमति तक पहुंचने के लिए आशान्वित हैं, जो इसमें शामिल सभी दलों को संतुष्ट करेगा। ममता जी ने इंडिया गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है, औ हम इस रुख का स्वागत करते हैं।

ममता बनर्जी की यह टिप्पणी बंगाल में अकेले सभी 42 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद आई है, जिससे पश्चिम बंगाल में विपक्षी गुट इंडिया पर काफी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बिना नाम लिए बंगाल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए लोगों से पूछा कि आप किसे चुनेंगे, वह जो पूरे साल रहता है, या वह जो मौसमी पक्षी की तरह आता है? लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस टीएमसी के साथ गठबंधन को लेकर आशान्वित है। वह सीट-बंटवारे के समझौते की उम्मीद जता रही है।

यह लोकतंत्र को बचाने का चुनाव : डिंपल

सपा नेता डिंपल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करने में और देरी नहीं होनी चाहिए, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आगामी चुनाव संविधान को बचाने के बारे में होंगे। उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण चुनाव है। यह संविधान को बचाने का चुनाव है। इसमें और देरी नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा, चुनाव जमीनी स्तर पर लड़ा जाता है अगर समय पर उम्मीदवार तय हो जाएंगे तो उन्हें भाजपा के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ने का समय मिलेगा। उत्तर प्रदेश में बसपा के गठबंधन में शामिल होने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इसका फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा।

सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग में कोई दिक्कत नहीं : रामगोपाल

समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा कि कांग्रेस और अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उनकी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सपा जल्द ही और प्रत्याशी घोषित करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ जा सकती है, यादव ने कहा कि दोनों पार्टियां पहले ही एक समझौते पर पहुंच चुकी हैं। यादव ने कहा, हमने 16 सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं. हम कुछ दिनों में और सीटें घोषित करेंगे. कांग्रेस और सपा उत्तर प्रदेश में अंतिम समझौते पर पहुंच गए हैं।

टीएमसी व कांग्रेस में बात बनाने की कोशिश होगी तेज

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की राह बिल्कुल भी आसान नजर नहीं आ रही है. कांग्रेस की राज्य में सीट बंटवारे को लेकर अंतिम आशा भी ममता बनर्जी ने लगभग खत्म कर दी है, लेकिन फिर भी कांग्रेस ने हिम्मत नहीं हारी और वह आशान्वित है, इससे पहले इंडिया गठबंधन में जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए ममता बनर्जी ने चुनाव के बाद क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने का इरादा जताया था। बंगाल में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और टीएमसी के बीच जारी गतिरोध को खत्म करने की कोशिश के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश टीएमसी के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद जताई । ममता बनर्जी ने नदिया जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक थी, लेकिन कांग्रेस ने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, हम गठबंधन करना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस सहमत नहीं थी। उन्होंने चुनाव में बीजेपी की मदद करने के लिए सीपीआई एम के साथ हाथ मिलाया है, हम ही हैं जो देश में बीजेपी से लड़ सकते हैं। ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को करारी मात मिलेगी, साथ ही उन्होंने कहा कि टीएमसी अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ केंद्र में सरकार बनाने की रणनीति पर फैसला करेगी. बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा,अगर लोग हमारे साथ हैं, तो हम वादा करते हैं कि दिल्ली (लोकसभा चुनाव) जीतेंगे. चुनाव के बाद, हम सभी क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर सरकार बनाएंगे। ममता बनर्जी ने आगामी चुनावों में बीजेपी की मदद के लिए कांग्रेस और वाम दलों पर हाथ मिलाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे की चर्चा की विफलता पर बात की। इसके लिए उन्होंने वाम दलों के कथित हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया। टीएमसी नेता ने कहा कि बस याद रखें कि बंगाल दिल्ली (लोकसभा चुनाव) जीतने का रास्ता दिखाएगा, हम दिल्ली जीतेंगे, हम बंगाल में अकेले लड़ेंगे और बीजेपी को हराएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हरित आवरण हटाना बढ़ा रहे आपदा...

जलवायु परिवर्तन, अस्थिर ढलानों और बाढ़ क्षेत्रों पर अनधिकृत निर्माण और हरित आवरण को हटाने से हिमालय क्षेत्र में आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की 2023 हिमाचल प्रदेश बाढ़ पर एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। पश्चिमी विक्षोभ और दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कारण हुई मूसलाधार बारिश से जुलाई और अगस्त में उत्तर भारत में व्यापक पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई। भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश में कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे 12 जिलों के शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में भयानक स्थिति हो गई। एनडीएमए ने कहा कि राज्य में 5,748 भूस्खलन, 45 बार बादल फटने (एक घंटे में 100 मिमी से अधिक बारिश) और 83 बार बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा। इसने कहा कि इस आपदा के कारण 22,879 घर प्रभावित हुए और लगभग 500 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 8,665 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। रिपोर्ट के अनुसार 7-11 जुलाई, 2023 के दौरान हिमाचल प्रदेश में 223 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो इस अवधि के लिए सामान्य मात्रा 41.6 मिमी से 436 प्रतिशत अधिक है।

मानसून के मौसम (जून-सितंबर) के दौरान राज्य में औसतन 734.4 मिमी बारिश होती है। इसके अनुसार शहरीकरण और पर्यटन अभियान की वजह से तेजी से निर्माण गतिविधियां बढ़ी हैं। इन निर्माण गतिविधियों के दौरान आवश्यक दिशानिर्देशों की अनदेखी की जाती है और अस्थिर ढलानों या बाढ़ क्षेत्रों पर प्रतिष्ठान बनाए जाते हैं। एनडीएमए ने कहा कि पर्यटन और बढ़ती आबादी के कारण नदी तटों और घाटियों के आसपास बस्तियों की संख्या बढ़ने और अचानक आने वाले बाढ़ के दौरान कई लोगों का जीवन खतरे में पड़ जाता है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, एनडीएमए ने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में दो प्रमुख क्षेत्र भारतीय हिमालय और तटीय भारत विशेष रूप से जलवायु-प्रेरित आपदाओं के प्रति संवेदनशील हैं। इसमें कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश में आपदा ऐसी घटनाओं के संकेतक के रूप में कार्य करती है। एनडीएमए ने कहा कि हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीएसडीएमए) को जलवायु संबंधी जोखिमों का अनुमान लगाना चाहिए और उन्हें ध्यान में रखना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश की मौसम भविष्यवाणी और प्रारंभिक चेतावनी क्षमताएं सीमित हैं और राज्य में वर्तमान में केवल 31 मौसम स्टेशन संचालित हैं। एजेंसी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि राज्य में बांध पूर्वानुमानित -आधारित मॉडलिंग पर काम किया जाए और बाढ़ की चेतावनी के लिए जलग्रहण क्षेत्रों से तीन से पांच दिन के मौसम के डेटा को ध्यान में रखें।

“ पश्चिमी विक्षोभ और दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कारण हुई मूसलाधार बारिश से जुलाई और अगस्त में उत्तर भारत में व्यापक पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई। भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश में कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे 12 जिलों के शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में भयानक स्थिति हो गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ज्ञान नेत्र से उजाला फैलाती गरिमा

अरुण नैथानी

कुदरत के खेल भी निराले हैं। व्यक्ति के लिये एक रास्ता बंद करती है सौ रास्ते खोल भी देती है। लौकिक दृष्टि लेती है तो अलौकिक दृष्टि दे देती है। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जनपद के नावदी गांव की गरिमा ने इस बात को साबित किया। जब नौ साल पहले गरिमा पैदा हुई तो दृष्टिबाधित थी। यह महसूस किया जा सकता है कि एक बेटी के दृष्टिबाधित पैदा होने पर माता-पिता किन मन: स्थितियों से गुजरते हैं। लेकिन आज उसी परिवार ही नहीं, पूरे गांव को इस बेटी पर गर्व है क्योंकि उसने परिवार-गांव को राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया है। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उसे प्रधानमंत्री का 'राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किया। वह भी ज्ञान का उजाला फैलाने के लिये। दरअसल, गरिमा को यह सम्मान वंचित समाज के बच्चों को उनकी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर शिक्षा के लिये प्रेरित करने के लिये दिया गया। वाकई कुदरत कमाल करती है। दृष्टि से वंचित गरिमा यह कार्य महज तीन साल की उम्र से कर रही है।

गरिमा को दृष्टि नहीं मिली लेकिन मानवीय अंतर्दृष्टि मिली। दो नेत्र नहीं मिले तो उसने ज्ञान का तीसरा नेत्र खोल दिया। कितनी समझ होती है तीन साल के बच्चे को। वह अपने बारे में अच्छे से नहीं सोच पाता, समाज की कहां सोच पाएगा। उसके जीवन में यह परिवर्तन कैसे आया और कैसे गरिमा ने गरीब बच्चों को स्कूल भेजने के लिये प्रेरित करना शुरू किया? इस सवाल के जवाब में गरिमा की मां सीमा यादव कहती हैं कि एक बार जब यह तीन साल की थी, एक महिला भिखारी घर पर कुछ मांगने आई थी। उसके साथ एक छोटी बच्ची थी और वह रो रही थी। गरिमा ने मां से सवाल किया कि वह बच्ची क्यों रो रही है? वह स्कूल क्यों नहीं जाती? तब मां ने बताया कि वे गरीब हैं अत: स्कूल नहीं जा सकती। उस घटना ने संवेदनशील गरिमा को गरीब बच्चों को स्कूल जाने के लिये मदद करने व प्रेरित करने का मन बनाया। वह तब से पिता के सहयोग से झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को पढ़ाने व पाठ्य सामग्री देने के प्रयास में लग गई।

आज हमारे समाज में तमाम लोग छोटी-छोटी बातों में निराश होकर अवसाद में चले जाते हैं। जीवन तक खत्म कर लेते हैं। उन्हें गरिमा का हौसला व रचनात्मकता देखनी चाहिए। वह अपने जीवन का अंधेरा भूलकर

ज्ञान बांटने के ऋषिकर्म में लगी है। वह एक साक्षर पाठशाला चलाती है। करीब एक हजार गरीब बच्चों को पाठ्य सामग्री आदि वितरित करके वह उनसे जुड़ चुकी है। वैसे गरिमा की इस सफलता में उनके पिता डॉ. नरेंद्र, जो खुद एक शिक्षक हैं, की भी प्रेरणा शामिल है। उसके पिता बताते हैं कि बेटी जिस अवस्था में पैदा हुई, उसे देखकर डॉक्टरों ने कुछ न हो पाने की स्थिति में बेटी को पढ़ाने-लिखाने की बात कही। लेकिन दृष्टिबाधिता के बावजूद उसका हौसला, संवेदनशीलता और उत्साह गजब का रहा। उसने लैपटॉप सीखा और खास सॉफ्टवेयर की मदद से अपना ज्ञान बढ़ाया। वह चौथी क्लास में पढ़ती है। लैपटॉप पर हिंदी-अंग्रेजी में काम करती है और मैडम को अपना काम मेल से भेज देती है। उत्साहवर्धक बात यह है कि वह सामान्य बच्चों के स्कूल जाती है। परिजन उसे स्कूल के गेट पर छोड़ आते हैं और वह खुद ही दूसरी मंजिल स्थित कक्षा में पहुंचती है। गरिमा, उसके परिवार और गांव के लिये 22 जनवरी गौरव का दिन था जब राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया। वह राष्ट्रपति के अलावा प्रधानमंत्री से भी मिली। 26 जनवरी को अन्य क्षेत्रों में पुरस्कृत बच्चों के साथ शान से कर्तव्यपथ पर निकली। उल्लेखनीय है कि ये पुरस्कार असाधारण योग्यता व उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये बच्चों को सात श्रेणियों में दिये जाते हैं। गरिमा को ये पुरस्कार सामाजिक कार्यों में योगदान के लिये दिया गया। प्रत्येक विजेता बच्चे को सम्मान स्वरूप एक पदक, प्रमाणपत्र और एक प्रशस्ति पुस्तिका दी जाती है। बहरहाल, गरिमा इस पुरस्कार से प्रफुल्लित है और आगे साक्षर पाठशाला के मिशन में ज्ञान की रोशनी बांटने के लिये इसे ऊर्जा मान रही है।

दरअसल, गरिमा की सोच रही है कि शिक्षा बच्चे का मौलिक अधिकार है। हर बच्चे को शिक्षा मिले। गरीबी व अन्य परिस्थितियों के कारण जो बच्चे पढ़ नहीं पाते, उन्हें शिक्षा पाने के लिये मौका देकर प्रेरित किया जाना चाहिए। गरिमा 'साक्षर पाठशाला' में शामिल होने के लिये बच्चों को प्रेरित करती है। वह स्लम एरिया में जाकर बच्चों में कायदा, पेन, पेंसिल, गुब्बारे, टॉफी बांटकर स्कूल की अच्छाइयों से अवगत कराती है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग की चुनौतियां

दिनेश सी. शर्मा

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) टूल्स जैसे कि चैटजीपीटी तमाम क्षेत्रों में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं, अब तो चिकित्सकों, मरीजों और स्वास्थ्य देखभाल एजेंसियों ने भी उपयोग शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एआई की नैतिक उत्तरदायित्व एवं परिचालन विधि को लेकर नए परामर्श प्रपत्र में चेतावनी युक्त संदेश जारी किया है, विशेषकर स्वास्थ्य क्षेत्र में लार्ज मल्टी-मोडल मॉडल्स (एलएमएम) के इस्तेमाल पर। एलएमएम, जैसे कि चैटजीपीटी और बार्ड, टेक्सट और वीडियो जैसे इनपुट डाटा को स्वीकार कर सकता है और जो आउटपुट यह पैदा करेगा वह मात्र इंपुटेड डाटा तक सीमित नहीं है।

ये व्यवस्थाएं मानवीय सक्षमता की नकल करने के लिए डिजाइन की गई हैं, यहां तक कि ऐसे कार्य करने में समर्थ हैं, जिनके लिए इनमें लर्निंग और एडैप्टिंग प्रोग्राम फीड न भी किए गए हों। इसलिए इनसे स्वास्थ्य से संबंधित मिथ्या, त्रुटिपूर्ण, पक्षपाती या अपूर्ण सूचनाएं आने का गंभीर जोखिम दरपेश है। यह भी अब साफ है कि एआई व्यवस्था को इस तरह 'सिखाया' जा सकता है कि लैंगिक, जाति, नस्ल आदि से संबंधित असत्य, तोड़ा-मरोड़ा डाटा घड़कर यह हानिकारक या पक्षपाती सामग्री पैदा कर सके। एआई का उपयोग बढ़ने के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2021 में मोटे तौर पर सामान्य दिशा-निर्देशक सिद्धांत जारी किए थे, जोकि स्वास्थ्य क्षेत्र में इस नई तकनीक के इस्तेमाल की संभावना को मान्यता थी। इन सिद्धांतों के मुताबिक, एआई तकनीक के लिए अनिवार्य था कि वह संप्रभुता की सुरक्षा, मानव भलाई को बढ़ावा, मानव सुरक्षा, जनहित को प्रोत्साहित करे, साथ ही पारदर्शी, व्याख्यात्मक हो एवं सुबोधता सुनिश्चित करती हो, उत्तरदायी और जिम्मेवाराना हो, सबका साथ और समानता सुनिश्चित करने वाली हो, उन तकनीकों को बढ़ावा दे जो प्रतिक्रियाशील और सतत हों। व्याख्यात्मक का अर्थ है कि पब्लिक डोमेन में एआई के डिजाइन या डिप्लॉयमेंट को लेकर समुचित जानकारी उपलब्ध करवाई जाए।

पिछले हफ्ते जारी नए दिशा-निर्देश स्वास्थ्य क्षेत्र में एलएमएम के विकास और अपनाए जाने से संबंधित हैं। एलएमएम का उपयोग समझने के लिए, किसी एआई तकनीक की वैल्यू-चेन (मूल्य-शृंखला) को समझना बहुत महतत्वपूर्ण है। इस शृंखला के किसी भी चरण पर, अहम निर्णय लेने पड़ेंगे, जो इस तकनीक की भावी दिशा और परिणामों पर असर डाल सकते हैं। शृंखला का आरंभ एलएमएम टूल को विकसित करने से होता है। विकसित करने वालों में, कोई एक बड़ी तकनीकी कंपनी, कोई यूनिवर्सिटी या एक तकनीक नव-उद्यम या राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली या सार्वजनिक-निजी भागीदार उद्यम हो सकता है। तत्पश्चात, एक प्रदाता, जो कोई तीसरा पक्ष भी हो सकता है, वह एलएमएम में आगे सूक्ष्म सुधार और इसको प्रशिक्षित करके एक प्रोग्रामिंग इंटरफेस पेश कर सकता है। बृहद सॉफ्टवेयर के साथ एलएमएम का एकीकरण करने की जिम्मेवारी प्रदाता की है ताकि यह एक एप्लीकेशन बन सके। चेन में तीसरा मुख्य खिलाड़ी डेप्लॉयर है, जो अंतिम छोर पर, उपयोगकर्ता को यह सेवा उपलब्ध करवाता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में, प्रदाता कोई एक अस्पताल शृंखला, सरकारी स्वास्थ्य एजेंसी या फिर दवा कंपनी भी हो सकती है। इस वैल्यू चेन के प्रत्येक चरण पर डेवेलपर, प्रोवाइडर और डेप्लॉयर के अलावा बहु-नैतिकता एवं प्रशासनिक मुद्दों की भूमिका है। अधिकांशत:, डेवेलपर एक बड़ी तकनीकी कंपनी होगी क्योंकि एलएमएम विकसित करने को जरूरी पर्याप्त कम्प्यूटिंग पॉवर, तकनीकी कौशल और धन उसके पास होगा। लेकिन, एलएमएम अपने एल्गॉरिद्म एवं संभावित जोखिम संबंधी सूचना को अपारदर्शी बनाकर बड़ी तकनीकी कंपनियों के दबदबे को और मजबूती दे सकता है। पारदर्शिता को लेकर कॉर्पोरेट में प्रतिबद्धता नदारद होना एक मुख्य चिंता है। नियामक और विधिक प्राधिकरण को एआई टूल्स द्वारा मौजूदा विधिक एवं नियामक तंत्र में दिए दिशा-निर्देशों, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्व और राष्ट्रीय डाटा सुरक्षा कानून के प्रावधानों के अनुपालन को लेकर चिंता है। एलएमएम की घोषणा के समय सरकार एवं नियामक एंजेसियां सकते में थीं क्योंकि उनके पास इसको लेकर कोई नियम मौजूद नहीं थे। उदाहरणार्थ, यूरोपियन यूनियन को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कानून की पुनर्समीक्षा के आखिरी पड़ाव पर एलएमएम को शामिल करने के लिए पुन: नए प्रावधान जोड़ने पड़े।

वैल्यू चेन में एलएमएम के प्रशिक्षण के लिए जिस ढंग से डाटा एकत्रण या प्रबंधन और प्रसंस्करण चल रहा है, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हो सकता है यह एल्गॉरिद्म विधिक एवं नियामक तंत्र की पालना न करे। जैसा कि अध्ययनों में पाया गया है, एलएमएम में फर्जी प्रतिक्रिया देने की संभावना खुली है और नियमों का अनुपालन न करना देखा गया है। जैसे-जैसे एलएमएम का उपयोग स्वास्थ्य तंत्र को चलाने में बढ़ता जा रहा है, एक अन्य चिंता उपजी है कि गलतियों, दुरुपयोग और नुक्ह्यह्यह्यह्य सान होने की सूरत में जिम्मेवारी क्या होगी। अन्य तकनीकी एप्लीकेशंस की भांति, इस प्रणाली को भी साइबर अटैक का खतरा है, तब मरीज से संबंधित जानकारी को खतरा होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोटे तौर पर एमएलएल की पांच उपयोगिताओं की शिनाख्त की है।

घर पर तैयार करें जयपुर की मशहूर प्याज की कचौड़ियां

भारत देश अपनी विविधता की वजह से जाना जाता है। यहां हर राज्य का अपना अलग खास तरह का खाना है। अगर बात करें राजस्थानी खाने की तो राजस्थान में नाश्ते के कई ऑप्शन मिल जाते हैं। सुबह से लेकर शाम तक राजस्थान के जयपुर जिले में आपको जगह-जगह प्याज की कचौड़ी मिल जाएगी। ये खाने में इतनी स्वादिष्ट लगती है कि क्या कहने। इसे लोग चाय के साथ खाना बेहद पसंद करते हैं। अगर आप कभी जयपुर गए होंगे तो आपने भी प्याज की कचौड़ी जरूर खाई होगी। जो भी व्यक्ति एक बार ये खास कचौड़ी खा लेगा, वो उसका स्वाद भूल नहीं पाएगा। ऐसे में आप अगर चाहें तो बड़ी ही आसानी से इसे घर पर बना सकते हैं। जिसको खाकर हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

सामान

1.5 कप बेसन, मैदा, 2 बड़े प्याज, पत्तियों के साथ कटा हुआ 2-3 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई अदरक, हरा धनिया, 1/2 चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच हींग, 1/2 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1/2 छोटी सी लहसुन की कली, सौंफ।

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, बेसन, नमक और अजवाइन डालें। इसके बाद इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब थोड़ी-थोड़ी देर में पानी डालकर बेसन गूंथें। इसे तैयार करके कुछ देर के लिए अलग रख दें। इसको कुछ देर रखने के बाद स्टफिंग तैयार करें। प्याज की कचौड़ी की स्टफिंग तैयार करने के लिए जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा, सौंफ और एक चुटकी हींग डालकर भूनें। इसके बाद कढ़ाही में कटे हुए प्याज डालकर तब तक पकाएं जब तक कि प्याज सुनहरा ना हो जाए। इसके बाद प्याज में अदरक का पेस्ट और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ देर तक और भूनें। सही से भूनने के बाद इसे ठंडा करने के लिए अलग रखें। ऊपर से हरा धनिया जरूर डालें। जब स्टफिंग ठंडी हो जाए तो एक लोई लेकर उसे पहले हल्का बेल लें। इसके बाद अब इसमें प्याज की स्टफिंग भरकर चारों तरफ से दबा कर बंद कर दें। आखिर में इसे सुनहरा होने तक सेंके। इसे आप हरे धनिये की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

15 मिनट में बनाएं बाजरा उपमा

हेल्दी नाश्ते के साथ करें सुबह की शुरुआत

बाजरा सर्दियों का सुपरफूड है। जिसमें कई तरह के ऐसे न्यूट्रिशन शामिल होते हैं जो हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसे आप कई तरीकों से खानपान में शामिल कर सकते हैं। ब्रेकफास्ट के लिए कुछ हेल्दी ढूंढ़ रहे हैं तो बाजरा उपमा बेस्ट है। सूजी से तो आपने कई बार उपमा बनाया होगा। इस बार इसे करें ट्राई। इसमें फाइबर, कैल्शियम, आयरन, जिंक, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन-बी 6, कैरोटीन, लेसिथिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। साथ ही इसमें विटामिन- बी3 भी होता है, जो बॉडी के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को दुरुस्त रखता है, जिससे पेट से जुड़ी कई सारी समस्याओं का खतरा टल जाता है।

बाजरे के फायदे

बाजरे में सोडियम, प्रोटीन, फाइबर और कार्बोहाइड्रेट अच्छी-खासी मात्रा में पाया जाता है। बाजरा पाचन तंत्र के लिए अच्छा होता है। ये आसानी से पच जाता है। पाचन सही रहता है, तो पेट दर्द, गैस, एसिडिटी जैसी दिक्क तें दूर रहती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान तो बाजरे की सेवन और भी ज्यादा अच्छा होता है। क्योंकि इसमें आयरन की मौजूदगी के चलते खून की कमी नहीं होती। बाजरा बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में भी मददगार है।

सामग्री

1 कप ज्वार बाजरा, 1/2 कप कटी हुई गाजर, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 1 टीस्पून लहसुन-अदरक का पेस्ट, 1/2 कप कटा हुआ टमाटर, 1/2 कप कटी हुई शिमला मिर्च, 2 टेबलस्पून ऑयल, 1/2 टेबलस्पून राई, 1/2 टीस्पून जीरा, स्वादानुसार नमक, 1 कप पानी, धनिया पत्ती गार्निशिंग के लिए।

विधि

एक दिन पहले रात को ज्वार को अच्छी तरह धोकर रात भर पानी में भिगो दें। सुबह बनाने से पहले उबाल लें। माइक्रोवेव बोल में तेल, राई, जीरा, प्याज, गाजर, शिमला मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को माइक्रोवेव में हाई पावर पर तीन मिनट तक पकाएं। बीप आने के बाद इसे निकालें और उबला हुआ ज्वार और टमाटर डालें। अच्छी तरह मिलाएं और चार मिनट और पकाएं। इसके बाद बोल को निकालें। पानी डालें और अच्छी तरह मिलाएं और सात मिनट के लिए फिर से पकाएं। बारीक कटी धनिया पत्ती से गार्निश करें। चटनी या अचार के साथ इस मिलेट उपमा को गर्मा-गर्म परोसें। उपमा की इस डिश में ऊपर से नींबू निचोड़ना न भूलें। वहीं इसमें बारीक कटी सीज़नल सब्जियां भी मिलाएं।

हंसना मना है

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

कहानी — मूर्ख बकरी

एक जंगल में दो बकरियां रहती थीं। वो दोनों जंगल के अलग हिस्सों में घास खाती थीं। उस जंगल में एक नदी भी बहती थी, जिसके बीच में एक बहुत ही कम चौड़ा पुल था। इस पुल से एक समय में केवल एक ही जानवर गुजर सकता था। इन दोनों बकरियों के साथ भी एक दिन कुछ ऐसा ही हुआ। एक दिन घास चरते-चरते दोनों बकरियां नदी तक आ पहुंची। ये दोनों नदी पार करके जंगल के दूसरे हिस्से में जाना चाहती थीं। अब एक ही समय पर दोनों बकरियां नदी के पुल पर थीं। पुल की चौड़ाई कम होने के कारण इस पुल से केवल एक ही बकरी एक बार में गुजर सकती थी, लेकिन दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। इस पर एक बकरी ने कहा कि सुनो, मुझे पहले जाने दो, तुम मेरे बाद पुल पार कर लेना।' वहीं, दूसरी बकरी ने जवाब दिया कि नहीं, पहले मुझे पुल पार करने दो, उसके बाद तुम पुल पार कर लेना।' यह बोलते-बोलते दोनों बकरियां पुल के बीच तक जा पहुंची। दोनों एक दूसरे की बात से सहमत नहीं थीं। अब बकरियों के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई। पहली बकरी ने कहा कि पहले पुल पर मैं आई थी, इसलिए पहले मैं पुल को पार करूंगी।' तब दूसरी बकरी ने भी तुरंत जवाब दिया, 'नहीं, पहले मैं पुल पर आई थी, इसलिए पहले मैं पुल पार करूंगी।' यह झगड़ा बढ़ता चलता जा रहा था। इन दोनों बकरियों को बिल्कुल भी याद नहीं रहा कि वह कितने कम चौड़े पुल पर खड़ी हैं। दोनों बकरियां लड़ते-लड़ते अचानक से नदी में गिर गईं। नदी बहुत गहरी थी और उसका बहाव भी तेज था, जिस कारण दोनों बकरियां उस नदी में बहकर मर गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

वृषभ वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा।

मिथुन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी।

कर्क किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

कन्या शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

तुला शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृश्चिक घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कुम्भ शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

जिसे पीटा उसके लिए बाप जैसा हूं : राहत फतेह अली

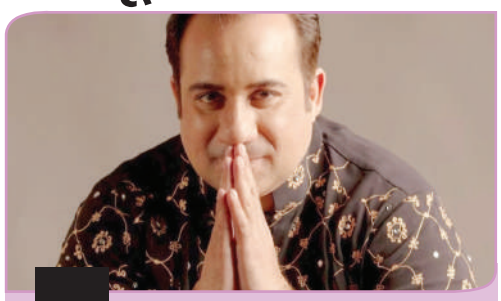

पाकिस्तानी सिंगर राहत फतेह अली खान इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। सिंगर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर कुछ दिन पहले वायरल हुआ था, जिसमें उन्हें अपने शागिर्द को चप्पल से मारते देखा गया था। वीडियो में राहत, शागिर्द से किसी पानी की मांग कर रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद सिंगर की आलोचना हुई और उन्हें ट्रोल्स का सामना भी करना पड़ा। राहत फतेह अली खान ने अपने इस वीडियो को लेकर माफी मांग ली है। इस बीच उन्होंने यूट्यूबर अदील आसिफ की पॉडकास्ट में भी सफाई दी। राहत फतेह अली खान के शागिर्द का नाम नवीद हसनैन है। उसके बारे में बात करते हुए सिंगर ने बताया कि नवीद के पिता 40 सालों से उस्ताद नुसरत फतेह अली खान के शागिर्द थे। इसके बाद नवीद पिछले 15 सालों से राहत के शागिर्द हैं। नवीद का परिवार राहत फतेह अली खान के परिवार से सालों से जुड़ा हुआ है। सिंगर ने ये भी कहा कि उस्ताद का शागिर्द के सामने बाप का दर्जा होता है। वायरल वीडियो को लेकर राहत फतेह अली खान ने खुलासा किया कि उन्होंने नवीद हसनैन से वहीं पर माफी भी मांगी थी। आगे सिंगर ने कहा, सच मैंने खुद कुबूल किया है। हां, वो मेरा शागिर्द था। मैंने उसको डांटा है, मैंने उसको पीटा है। और उसके बाद मैंने उससे माफी भी मांगी। और हां, ये भी बात सच है, सब लोग मजाक कर रहे हैं। वो मेरे पीरो ओ मुरशिद का पानी था, जो कि उसके पास पड़ा हुआ था। उस चीज की गहराई को नहीं समझ रहे हैं। वो आध्यात्मिक मामला है मेरा और मेरे पीर साहब का। वो मेरे लिए बहुत बड़ी चीज थी। राहत ने बताया कि शागिर्द नवीद का हर कदम पर साथ उन्होंने दिया है। उन्होंने कहा, नवीद के पिता को जब हार्ट का प्रॉब्लम हुआ तब मैंने उनका पूरा इलाज करवाकर दिया। नवीद की खुद की जो बेटी है, उसको कान की दिक्कत है। उसका इलाज मैंने करवाया। बेटियों की शादी करवाई। शागिर्द को जरूरत है एक बाप की, तो हमने वो भी रोल अदा किया है। हमने उनकी हर तरह की तकलीफ है, उसमें पूरी तरह से उनका साथ दिया है।

विवादों से भरी रही पूनम पांडे की जिंदगी

पूनम पांडे को लेकर हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। एक्ट्रेस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है जिसमें बताया गया कि मॉडल और एक्ट्रेस अब इस दुनिया में नहीं रहीं। इस पोस्ट ने एक्ट्रेस के फैंस के बीच खलबली मचा दी है। पूनम पांडे अपनी कॉन्ट्रोवर्सियल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रही हैं। वह पिछली बार कंगना रनौत होस्टेड शो 'लॉकअप' में नजर आई थीं। हालांकि, हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि एक्ट्रेस ने कभी अपनी इस बीमारी का जिक्र नहीं किया। एक्ट्रेस लॉकअप से पहले अपनी शादी को लेकर भी चर्चा में थीं। समय बीतने के साथ उनकी मौत पर संस्पेंस बरकरार है। आइए जानते हैं पूनम पांडे से जुड़े कुछ कॉन्ट्रोवर्सियल किस्से।

विश्वकप मैच के दौरान दिया था विवादित बयान

पूनम पांडे ऐसी एक्ट्रेस हैं जो अपनी किसी फिल्म की वजह से नहीं बल्कि अपने एक स्टेटमेंट की वजह से दुनियाभर में पॉपुलर हो गई थीं। पूनम पांडे सबसे पहले चर्चा में तब आई थीं जब उन्होंने 2011 वर्ल्ड कप के दौरान ये स्टेटमेंट दिया था कि अगर भारतीय टीम वर्ल्डकप जीतती है तो फिर वो अपने सारे कपड़े उतार देंगी। उनके इस बयान के बाद से देशभर में खलबली मच गई थी। उनके घर में भी इस बात पर काफी विवाद हुआ था। घरवालों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उन्हें फटकार भी लगाई थी।

लीक हुआ था बाथरूम वीडियो

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूनम पांडे अपने बोल्ड लुक के लिए काफी मशहूर रहीं। वो अपने न्यूड और बोल्ड फोटो शूट को लेकर सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहती थीं। मॉडल और एक्ट्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार ये भी खबर आई थी कि उनका एक बाथरूम वीडियो लीक हो गया था। वीडियो में पूनम नहाते हुए डांस करती नजर आई थी। इस वीडियो के वायरल होने पर भी काफी बवाल मचा था। बाद में वीडियो को यूट्यूब से ब्लॉक कराया गया था।

पति के खिलाफ किया था असॉल्ट का केस

मॉडल-एक्ट्रेस ने रियलिटी शो, लॉक अप में दावा किया था कि उसके अलग हो चुके एक्स हस्बैंड ने इतनी बुरी तरह पीटा था कि उन्हें ब्रेन हेमरेज हो गया था। पूनम पांडे ने सितंबर 2020 में सैम बॉम्बे से शादी की लेकिन कुछ ही दिनों में उन्होंने उन पर घरेलु हिंसा का आरोप लगाकर सभी को चौंका दिया था। पूनम पांडे पति के साथ हनीमून के लिए गोवा में थीं जब उन्होंने सैम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी और धमकी देने और हमला करने का आरोप लगाया था।

रणबीर कपूर की 'एनिमल' ने हासिल किया नया कीर्तिमान

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल ने अपनी रिलीज के बाद खूब लाइमलाइट बटोरी। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिक्स्ड रिस्पांस मिले थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की और साल 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। वहीं मेकर्स ने अब फिल्म का ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया है और फिल्म ने स्ट्रीम होने के साथ कई रिकॉर्ड बना लिए हैं। एनिमल को रिलीज के चंद दिनों में सबसे ज्यादा व्यूवरशिप मिले है। ओटीटी पर रिलीज के महज एक हफ्ते में फिल्म को 6.2 मीलियन यानी 62 लाख व्यूज मिले है। बॉक्सऑफिस डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, एनिमल एक बार फिर मील का पत्थर साबित हुई है। फिल्म को 20.8 मिलियन (208 लाख) घंटे का व्यूवरशिप टाइम मिला है। इसके साथ ही एनिमल पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा व्यूवरशिप टाइम पाने वाली हिंदी फिल्म बन गई है।

एनिमल लगातार चर्चा में बनी हुई है। वहीं, मेकर्स ने फिल्म के सीक्वेल एनिमल पार्क पर काम शुरू करने जा रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि संदीप रेड्डी वांगा साल 2025 में सीक्वल की शूटिंग करेंगे, इससे पहले वो अपनी फिल्म स्पिरिट का काम खत्म करेंगे। हालांकि, फिल्म की टीम फरवरी 2024 में एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर देगी। एनिमल पार्क में रणविजय बलबीर सिंह (रणबीर कपूर) और अजीज हक के बीच दुश्मनी को दिखाया जाएगा, जो अपने भाई अबरार हक (बॉबी देओल) के मौत का बदला लेने के लिए उतावला है। इसके अलावा सीक्वल में रणविजय और गीतांजलि (रश्मिका मंदाना) के बीच डोमेस्टिक वायलेंस का एंगल भी शामिल होगा। फिल्म में रणविजय और उसके बेटे के बीच की बॉन्डिंग को भी एक्सप्लोर किया जाएगा।

अजब-गजब | जब भारत में लगे अजब-गजब इनकम टैक्स

कुंवारों को देना पड़ता था ज्यादा टैक्स

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को देश का अंतरिम बजट पेश कीं। बजट में लोगों की नजरें हमेशा इनकम टैक्स स्लैब पर रहती हैं। आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए अंतरिम बजट में टैक्स राहत की उम्मीद रही। बता दें कि हर सरकार वोटरों को लुभाने के लिए बजट में इनकम टैक्स में कुछ न कुछ बदलाव अपने कार्यकाल में करती है। लेकिन भारत में कुछ अजग गजब इनकम टैक्स भी लगे हैं। जानते हैं इनके बारे में।

बता दें कि आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इस बजट को देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। जब देश का पहला बजट पेश किया गया था उस समय देश में 1500 रुपये तक की आमदनी टैक्स फ्री थी।

वहीं साल 1958 में बच्चों की संख्या के आधार पर इनकम टैक्स तय किया गया था। उस बजट में तय किया गया था कि अगर कोई दंपत्ति शादीशुदा हैं और उसके कोई बच्चा नहीं है तो उसे 3000 रुपये तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता था। वहीं जिनके एक बच्चा था उनके लिए 3300 रुपये तक इनकम टैक्स फ्री था। इसी तरह 2 बच्चों पर 3600 रुपये की इनकम टैक्स फ्री था।

सरकार ने 1955 में जनसंख्या बढ़ाने के लिए पहली बार देश में शादीशुदा और कुंवारों के लिए अलग-अलग इनकम टैक्स फ्री इनकम तय की गई। शादीशुदा लोगों को 2000 रुपये तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता था। वहीं, कुंवारों के लिए यह लिमिट 1000 रुपये रखी गई। यानी कुंवारे होने पर इनकम टैक्स की देनदारी कम कमाई पर आ जाती थी।

एक समय भारत में अमीरों को 97.75 फीसदी तक टैक्स देना पड़ता था। साल 1973-74 में इनकम टैक्स की अधिकतम दर 85 फीसदी कर दी गई। सरचार्ज मिलाकर यह टैक्स रेट 97.75 फीसदी पहुंच गया। 2 लाख रुपये की इनकम के बाद हर 100 रुपये की कमाई में से सिर्फ 2.25 रुपये ही कमाने वाले की जेब में जाते थे। बाकी 97.75 रुपये सरकार रख लेती थी। जिसे 1974-75 में घटाकर 75 फीसदी किया गया। और 6000 रुपये तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई।

डेढ़ लाख में बिका नींबू, न है इसमें रस न ही कोई खासियत!

अक्सर देखा जाता है कि जो चीज़ें बिल्कुल बेकार लगती हैं, वो नीलामी में कीमती निकल जाती हैं। देखने में ये चीज़ें भले ही आम या कबाड़ लगती हों, इनकी कीमत आपको हैरत में डाल देगी। ऐसा ही एक मामला इंग्लैंड से सामने आया है, जहां पुरानी अलमारी को बेचा जा रहा था। दिलचस्प ये रहा कि अलमारी से ज्यादा कीमत में इसके अंदर रखा हुआ एक नींबू बिक गया।

नीलामी में कई बार कुछ ऐसी चीज़ें लाखों में बिक जाती हैं, जिनसे कोई उम्मीद ही नहीं होती। एक ऐसा ही नींबू इस वक्त डेढ़ लाख रुपये में बिक गया है। आप सोच रहे होंगे कि नींबू ज़रूर कुछ खास रहा होगा, जो उसकी कीमत इतनी ज्यादा लगी। आपको जानकर हैरानी होगी कि ऐसा कुछ भी नहीं था। ये आम नींबू था, लेकिन नीलामी में इसकी कीमत डेढ़ लाख रुपये लग गई। इंग्लैंड में हुई ये नीलामी चर्चा में है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां पर एक 285 साल से रखा हुआ पुराना और सूखा हुआ नींबू 1 लाख रुपये से ज्यादा कीमत में नीलाम हुआ। नींबू लगभग 2 इंच का है और घर की सफाई के दौरान यहां अलमारी में पाया गया था। ब्रेटेल्स में हुई इस नीलामी के दौरान बताया गया कि ये एक शख्स को अपने चाचा की 19वीं सदी की एक छोटी अलमारी में रखा मिला। जब नीलामी करने वाला अलमारी की तस्वीर खींच रहा था, तभी उसकी नज़र 285 साल पुराना ये नींबू मिला। नींबू काला पड़ चुका था। नींबू पर खास मैसेज भी लिखा है ङ्क 'मिस्टर पी लू फ़ैंचिनी द्वारा 4 नवंबर, 1739 को मिस ई बैक्सटर को दिया गया'। माना जा रहा है कि ये नींबू भारत से इंग्लैंड एक रोमांटिक गिफ्ट के तौर पर लाया गया होगा। जब नींबू नीलामी के लिए रखा गया, तो अनुमान लगाया गया था कि इसकी कीमत 4200 रुपये से लेकर 6000 रुपये तक हो सकती है। हालांकि जब नीलामी शुरू हुई तो नींबू 1.47 लाख में बिका, जबकि अलमारी सिर्फ 3360 रुपये में।

पीएम तक देशवासियों की आवाज नहीं पहुंच रही : गोगोई

» जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से हटाने का प्रयास कर रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पर भ्रम पैदा करके जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से हटाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतनी ऊंचाई पर पहुंच गए हैं कि उन तक देश के युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों की आवाज नहीं पहुंच रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद गोगोई ने दावा किया, लोगों की समस्याओं पर पर्दा डालने, उन्हें मायाजाल में फंसाने के लिए सरकार अस्त्र के रूप में भ्रम का इस्तेमाल करती है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष पूछता है कि प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं गए तो वे कहते हैं कि जी-20 का सफल आयोजन देखो, विपक्ष नोटबंदी के दौरान लोगों की मौत की बात करता है तो वह कुछ और राग अलापते हैं। गोगोई ने कहा, जब हम चीन के अतिक्रमण की बात करते हैं, तो कहा जाता है कि आप देखो कि मालदीव की तुलना में हम कितने ताकतवर हैं।... हम किसान, युवाओं, महिलाओं के मुद्दों और आर्थिक असमानता की बात करते हैं तो सरकार कहती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री गरीब परिवार से आकर इतनी ऊंचाई तक पहुंचे, हम इस बात का आदर करते हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि लेकिन प्रधानमंत्री इतनी ऊंचाई पर पहुंच गए हैं कि उन तक देशवासियों की आवाज नहीं पहुंच रही। गोगोई ने दावा किया कि संसदीय इतिहास में बहुत प्रधानमंत्री आए और सभी ने सदन में उत्तर दिया, लेकिन पहली बार वर्तमान प्रधानमंत्री ने पिछले दस साल में किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। उनकी कुछ टिप्पणियों पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदस्य को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बात करनी चाहिए और सदन के किसी निर्णय पर उन्हें टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार भले ही भ्रष्टाचार खत्म करने के दावे कर ले लेकिन इस सरकार में एक नया लाभार्थी कर शुरू हो गया है और पीएम आवास योजना, किसान निधि, उज्ज्वला योजना जैसी तमाम योजनाओं के लाभ के लिए इसका भुगतान करना होता है।

विपक्ष जनता के साथ चट्टान की तरह खड़ा

उन्होंने कहा कि जनता अब जागरुक हो गई है और विपक्ष इसका स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि आजादी का आंदोलन भी जनजागरण का था और आज भी आंदोलन में विपक्ष जनता के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। गोगोई ने कहा कि यह सरकार विपक्ष के नेताओं के खिलाफ आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का दुरुपयोग कर रही है, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने बिहार और झारखंड के हाल के राजनीतिक घटनाक्रम के संदर्भ में दावा किया, अगर हम सरकार के खिलाफ लड़ें तो जेल भेजा जाता है और इनके साथ शामिल हो जाएं तो मुख्यमंत्री बना दिया जाता है।

जमीन विवाद को लेकर लहूलुहान हुई लखनऊ की धरती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मलिहाबाद। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पास में एक ऐसी घटना हुई जिसने पूरे प्रदेश को हिलाकर रख दिया। लखनऊ के पड़ोसी इलाके मलिहाबाद में जमीन की पैमाइश को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। जमीन के बंटवारे को लेकर शुरू हुए विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लेखपाल की पैमाइश के दौरान सिर्फ छह फुट जमीन को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष की ओर से हिस्ट्रीशीटर लल्लन अपने बेटे समेत चार लोगों के साथ गाड़ी से फरीद के घर पहुंच गया। घर में घुसते ही लाइसेंसी असलहे से फायरिंग कर फरीद की पत्नी फरहीन खान (38), बेटे हंजला (16) और चचेरे भाई मुनीर अहमद उर्फ ताज (50) की हत्या कर दी। बीच-बचाव में दो अन्य लोगों को भी छर्रे लगे हैं।

» मलिहाबाद में जमीन की पैमाइश के चलते ट्रिपल मर्डर

पुलिस अफसरों का कहना है कि दोनों पक्षों के कई साल से विवाद है। इसका मुकदमा भी एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन है। मोहम्मदनगर निवासी फरीद और उनके परिवार के लल्लन उर्फ सिराज के बीच पुश्तैनी जमीन के बंटवारे को लेकर लम्बे समय से विवाद है। उनका मुकदमा एसडीएम की कोर्ट में चल रहा था। एसडीएम के आदेश पर लेखपाल रघुवीर यादव को पैमाइश करने मोहम्मदनगर भेजा गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब तीन बजे लेखपाल पैमाइश कर रहा था। यह जगह फरीद के घर से करीब तीन किमी दूर है। पैमाइश के दौरान ही फरीद व लल्लन के बेटे फराज के बीच कहासुनी होने लगी। कुछ देर बाद लेखपाल वहां से चले गये। फरीद अपने घर लौट आए।

तमिल अभिनेता विजय ने बनाया राजनीतिक दल

» तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिल फिल्मों के शीर्ष सितारे विजय ने फिल्म उद्योग की कई हस्तियों के राजनीति में आने के क्रम को बरकरार रखते हुए शुक्रवार को राज्य में अपने राजनीतिक दल का ऐलान किया। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने यह कदम उठाया है।

यहां एक बयान में, विजय (49) ने अपनी पार्टी तमिझगा वेत्रि कषगम का ऐलान करते हुए वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई जो कि प्रशासनिक ह्रास, भ्रष्टाचार और विभाजनकारी राजनीति से भरी हुई है और एकता में बाधा उत्पन्न करती है। राज्य में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों में सफलता का अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए, अभिनेता से नेता बने विजय ने दावा किया कि तमिलनाडु के लोग बदलाव के लिए लालायित हैं। उन्होंने कहा, मेरे नेतृत्व में, राजनीतिक पार्टी तमिझगा वेत्रि कषगम (टीवीके) की शुरूआत की गई है। इसे पंजीकृत करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के पास आवेदन भी किया गया है।

बंबई उच्च न्यायालय ने दिया कंगना को झटका

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अभिनेत्री कंगना रनौत की उस याचिका को खारिज कर दी जिसमे उन्होने गीतकार जावेद अख्तर द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत मे कार्वाई पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति पी.डी. नाइक की एकल पीठ ने कहा कि अख्तर द्वारा दायर शिकायत पर सुनवाई पहले ही शुरू हो चुकी है और इसलिए रनौत की ओर से मांगी गई राहत इस स्तर पर नही दी जा सकती है। कंगना रनौत ने पिछले महीने उच्च न्यायालय मे एक याचिका दायर कर 2020 मे दायर अख्तर की आपराधिक मानहानि शिकायत पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होने साथ ही अनुरोध किया था कि मामले की सुनवाई उनके द्वारा अख्तर के खिलाफ की गई शिकायत के साथ की जाए।उच्च न्यायालय ने कंगना रनौत की अर्जी खारिज करते हुए कहा, अख्तर की शिकायत पर सुनवाई पहले ही शुरू हो चुकी है।

केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर कर्नाटक को उसके हिस्से की केंद्रीय आर्थिक सहायता देने में भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ सात फरवरी को नई दिल्ली में प्रदर्शन करने की घोषणा की है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे तथा इसमें 138 विधायक, कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य और सांसद हिस्सा लेंगे।

शिवकुमार ने यहां कहा, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के नेतृत्व में कर्नाटक सरकार के सभी 136 विधायक, दो अन्य विधायक और विधान परिषद सदस्य छह फरवरी को नई दिल्ली पहुंचेंगे तथा सात फरवरी को प्रदर्शन करेंगे। हम चाहते हैं कि दिल्ली में केंद्र सरकार हमारी आवाज सुने। उन्होंने कर्नाटक के सभी सांसदों से अपने राजनीतिक मतभेदों और दलीय संबद्धता को किनारे रखते हुए इस आंदोलन में भाग लेने की अपील की। कांग्रेस नेता के मुताबिक, दिल्ली में संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर सात फरवरी को प्रदर्शन की इजाजत मांगी गई है। इसका कारण बताते हुए शिवकुमार ने कहा, पिछले पांच साल में हमारे हिस्से का 62,000 करोड़ रुपए हम तक नहीं पहुंचा है। केंद्रीय अनुदान में कर्नाटक की हिस्सेदारी में यह कटौती डबल इंजन सरकार के दौरान भी हुई थी, जब राज्य और केंद्र दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सत्ता में थी। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि कर्नाटक के 236 में से 200 से अधिक तालुक गंभीर सूखे की चपेट में हैं, लेकिन अभी तक केंद्र ने राज्य को कोई राहत सहायता मंजूर नहीं की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में राज्य के अधिकारों के लिए लड़ना बेहद आवश्यक हो गया है।

केंद्र की भाजपा सरकार का यह अंतरिम बजट नहीं, बल्कि अंतिम बजट है : ममता

कोलकाता। केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में पेश 2024-25 के अंतरिम बजट को उसका अंतिम बजट करार देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि इस साल होने वाले आम चुनाव में सत्तारूढ़ दल हार का स्वाद चखेगा। कोलकाता में एक धरना प्रदर्शन के दौरान ममता ने यह टिप्पणी की। विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए केंद्र से राज्य के बकाए की मांग को लेकर शुक्रवार को यह धरना शुरू हुआ। ममता ने कहा, यह अंतरिम बजट नहीं, बल्कि अंतिम बजट है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मल सीतारमण ने बृहस्पतिवार को सरकार का अंतरिम बजट लोकसभा में पेश किया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने 2011 से केंद्रीय कोष के इस्तेमाल के संबंध में उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा किया है। पार्टी ने प्रदेश में पहली बार 2011 में सत्ता संभाली थी। उन्होंने कहा, हमारे सत्ता में आने से पहले, वाम मोर्चा सरकार के दौरान, जो हुआ उसकी जिम्मेदारी हम क्यों लें।

दूसरा टेस्ट : यशस्वी का कमाल, अंग्रेज बेहाल

» भारत ने पहली पारी में बनाये 336 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की आत्मविश्वास से भरी 209 रन की पारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 336 रन बनाये। जायसवाल ने अपनी मजबूत शुरूआत को दोहरे शतक में तब्दील किया जिससे निकट भविष्य में उन्होंने शीर्ष क्रम में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।

वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ी बल्लेबाजी के मुफीद परिस्थितियों का फायदा नहीं उठा सके। बाएं हाथ के 22 वर्षीय बल्लेबाज जायसवाल ने सुबह 89 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 62 गेंद खेलकर अपना दूसरा टेस्ट शतक जमाया। इससे 10वीं टेस्ट पारी में उनके नाम दो शतक और इतने ही अर्धशतक हो गए हैं। जायसवाल ने पिछले साल कैरेबियाई सरजमीं पर अपने टेस्ट पदार्पण में 171 रन बनाए थे। जायसवाल ने अभी तक अपनी पारी में 17 चौके और पांच छक्के जड़ दिए हैं। आर अश्विन ने 37 गेदों पर बनाये 20 रन। इससे पहले भारत ने अंतिम सत्र में तीन विकेटगंवाकर 111 रन जोड़े जिसमें अक्षर पटेल (51 गेंद में 27 रन) और केएस भरत (23 गेंद में 17 रन) शामिल थे। इंग्लैंड की ओर से पदार्पण कर रहे शोएब बशीर और रेहान अहमद ने दो दो विकेट झटके। पदार्पण कर रहे रजत पाटीदार (72 गेंद में 32 रन) ने लेग स्पिनर रेहान अहमद की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश की लेकिन बोल्ड हो गए।

पांच मैच की श्रृंखला में 0-। से पिछड़ रही। वहीं कुलदीप यादव आठ रन बनाकर नाबाद रहे। जसमीत बुमरा को छह रन पर रेहान अहमद ने आउट किया। वहीं मुकेश कुमार बिना खाता खोले शोएब बशीर का शिकार बने।

नेपाल को 132 रन से रौंदकर भारत अंडर-19 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

ब्लोमफोंटेन (दक्षिण आफ्रीका)। सचिन धास (116) और कप्तान उदय सहारन (100) की शतकीय पारियो और दोनो के बीच तीसरे विकेट के लिए 215 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने आईसीसी अंडर 19 वनडे विश्व कप के ग्रुप एक के अपने आखिरी सुपर सिक्स मैच मे शुक्रवार को यहां नेपाल को 132 रन से शिकस्त देकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। भारत के लिए स्पिनर सौम्य पांडे ने शानदार गेदबाजी करते हुए 10 ओवर मे 29 रन देकर चार विकेट लिए। मौजूदा विश्व कप मे वह 16 विकेट के साथ दूसरे सफल गेदबाज है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद पांच विकेट पर 297 रन बनाए और फिर नेपाल को नौ विकेट पर 165 रन पर रोक दिया।

झलकियां यूपी विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन कार्यवाही में हिस्सा लेने जाते सीएम योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस नेता अनुराधा मिश्रा, विधानपरिषद सदस्य मोहसिन रजा, भाजपा एमएलसी यशवंत सिंह व जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया।

फिर केजरीवाल के घर पहुंची दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम

» बीजेपी पर ऑपरेशन लोटस आरोप लगाने के मामले में नोटिस देने पहुंची क्राइम ब्रांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर आज सुबह एक बार फिर दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम मेहमाननवाजी के लिए पहुंच गई। दरअसल, क्राइम ब्रांच की टीम भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाने के मामले में सीएम केजरीवाल के घर के चक्कर काट रही है। इससे पहले कल यानी शुक्रवार शाम को भी क्राइम ब्रांच की टीम नोटिस देने के लिए केजरीवाल के घर पहुंची थी।

दिल्ली पुलिस कल मुख्यमंत्री को ही नोटिस देने वाली थी, लेकिन मुख्यमंत्री सामने नहीं आए और अधिकारी नोटिस लेने की जिद करने लगे। इसलिए दिल्ली पुलिस की टीम वापस आ गई थी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की टीम आज फिर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस देने पहुंचे हैं। दिल्ली पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नोटिस मुख्यमंत्री को ही दिया जाएगा।

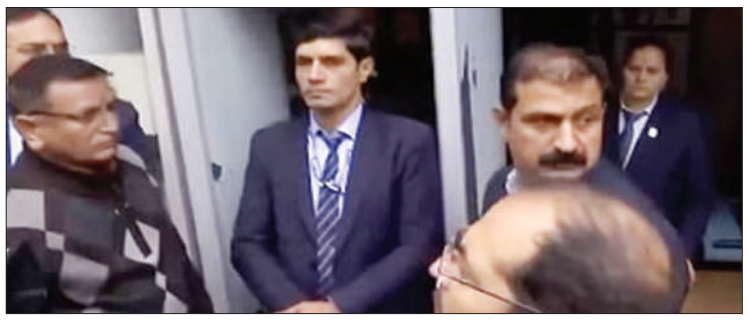

केजरीवाल ने लगाए थे खरीद-फरोख्त के आरोप

27 जनवरी को केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने उनके विधायकों को 25-25 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है और साथ ही पार्टी का टिकट देने का भी लालच दिया है।

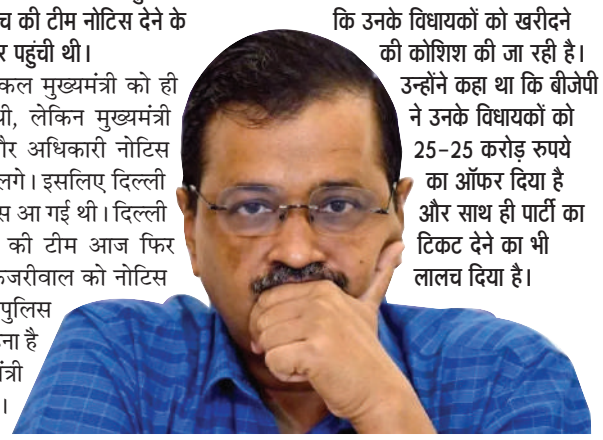

आतिशी के भी घर पहुंची टीम

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम शुक्रवार शाम दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी के सरकारी आवास पर भी नोटिस देने पहुंची थी। आतिशी के चंडीगढ़ में होने के कारण पुलिस उन्हें भी नोटिस नहीं दे पाई। नोटिस में पुलिस ने दोनों से भाजपा पर लगाए गए आरोपों के साक्ष्य सहित अन्य जानकारी मांगी है। साथ ही जांच में शामिल होने के लिए कहा है। केजरीवाल व आतिशी ने आरोप लगाया था कि उनके सात विधायकों को खरीदने के लिए भाजपा ने 25-25 करोड़ रुपये का लालच दिया था।

यात्रा के दौरान यूपी में विभिन्न वर्ग के लोगों से संवाद करेंगे राहुल गांधी

» 14 फरवरी को यूपी में प्रवेश करेगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त बाकी नहीं रह गया है। इसीलिए सभी दल अपनी-अपनी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में जुट गए हैं और अपनी-अपनी रणनीतियों पर काम करने में लग गए हैं। इसी क्रम में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं।

यात्रा आगामी 14 फरवरी को उत्तर प्रदेश में भी प्रवेश करने वाली है। इसके लिए पार्टी में अभी से ही तैयारियां शुरू हो गई हैं। पार्टी की योजना के बारे में जानकारी देते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 14 फरवरी को उत्तर प्रदेश में चंदौली के रास्ते प्रवेश करेगी। इस यात्रा का प्रदेश में भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा के दौरान राहुल गांधी यहां विभिन्न वर्ग के लोगों से संवाद करेंगे। इसका कार्यक्रम तय किया जा रहा है। यह जानकारी राय ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित तैयारी बैठक में दी।

फोटो:4 पीएम

धरना बीते दिनों इलाहाबाद विवि में छात्र के साथ हुए अभद्र व्यवहार एवं अमानवीय घटना के विरोध में लखनऊ विवि के गेट नम्बर एक पर समाजवादी छात्र सभा ने इलाहाबाद विवि के प्रॉक्टर का पुतला फूंककर विरोध-प्रदर्शन किया।

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न का ऐलान, पीएम मोदी ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने आज एक बड़ा एलान किया है। सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने का एलान किया है। इस बात की जानकारी खुद पीएम मोदी ने दी है।

पीएम ने कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

पीएम मोदी ने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी का जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। मोदी ने कहा कि उनके संसदीय काम हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं।

भाजपा विधायक ने शिंदे गुट के नेता पर बरसाईं गोलियां

» जमीन विवाद को लेकर हुआ झगड़ा, पुलिस ने बीजेपी नेता को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता में शामिल भाजपा व शिंदे गुट के नेताओं द्वारा आपस में भिड़ने व गोलीबारी करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, भाजपा विधायक ने पुलिस स्टेशन में सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी के नेता को गोलियां मारी। पुलिस ने इस मामले में भाजपा विधायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जमीन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद था, जिसके चलते यह घटना घटी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता महेश गायकवाड़ और कल्याण ईस्ट विधानसभा सीट से भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ के बीच बीते कई दिनों से जमीन विवाद चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कल्याण पूर्व के द्वारली परिसर में मौजूद संपत्ति पर मालिकाना हक को लेकर भाजपा विधायक और शिवेसना नेता के बीच विवाद चल रहा जिसके बाद शुक्रवार शाम को दोनों पक्ष उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे। पुलिस स्टेशन में दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और तनातनी होने लगी। इसके बाद भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने महेश गायकवाड़ और उनके सहयोगियों पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने बताया कि एक तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोग घायल हुए हैं। घटना के दौरान छह राउंड फायरिंग हुई। घटना के बाद पुलिस ने गोलीबारी करने वाले भाजपा विधायक को हिरासत में लिया था, लेकिन शनिवार सुबह भाजपा विधायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।